आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 12 अंक : 32 लखनऊ, रविवार 28 नवम्बर से 06 दिसम्बर, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

मोदी से मुकाबले के लिए ममता को नहीं चाहिए कांग्रेस का साथ ! खुद ही करना चाहती हैं दो–दो हाथ

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने आगामी शीतकालीन सत्र में भाजपा को घेरने की रणनीति तैयार कर ली है लेकिन इस बार पार्टी को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का साथ मिलने की संभावनाएं काफी कम

है। आपको बता दें कि, टीएमसी के एक नेता ने साफ कर दिया कि पार्टी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा २६ नवंबर को बुलाई गई विपक्षी दलों की बैठक में शायद शामिल नहीं हो। जिसके बाद संभावनाएं जताई जाने लगी कि टीएमसी इस बार खुद विपक्षी दलों का नेतृत्व करने की चाहत रखती है। आपको बता दें कि मानसून सत्र के दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में १५ विपक्षी दलों ने सरकार को घेरने के लिए संसद से लेकर विजय चौक तक पैदल मार्च किया था। हालांकि राहुल गांधी के नेतृत्व वाले इस आयोजन में टीएमसी शामिल नहीं हुई थी। कई बार विपक्षी दलों की एकजुटता की तस्वीरें भी सामने आई थीं लेकिन टीएमसी और आम आदमी पार्टी नदारद रहीं। इतना ही नहीं मानसून सत्र के दौरान राहुल गांधी ने तो कन्स्टिट्यूशन क्लब में श्चाय पार्टीश का भी आयोजन किया था। जिसमें टीएमसी, बसपा, आम आदमी पार्टी नहीं पहुंची। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने शीतकालीन सत्र से पहले राष्ट्रीय राजधानी आकर यह जरूर दर्शा दिया कि वो खुद विपक्षी खेमे का नेतृत्व करने की चाहत रखती हैं और वो टीएमसी के संसदीय दल की नेता भी हैं। त्रिपुरा हिंसा को लेकर गृह मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन करने वाले टीएमसी नेताओं ने नारा लगाया था– श्खेला होबे खेला होबा इस बार दीदी पीएम होबेश जिसका मतलब साफ था कि टीएमसी चाहती है कि ममता श्दीदीश सीधे भाजपा से टक्कर ले। टीएमसी के एक नेता ने समाचार न्यूज एजेंसी पीटीआई–भाषा को बताया कि शीतकालीन सत्र में हमें कांग्रेस के साथ समन्वय में कोई दिलचस्पी नहीं है। कांग्रेस नेता पहले अपने बीच समन्वय स्थापित करें। पहले अपना घर ठीक करें फिर दूसरों के साथ समन्वय के बारे में सोचें। यह पूछने पर कि क्या टीएमसी अन्य विपक्षी दलों के साथ सहयोग करेगी, उन्होंने कहा कि जनहित में हम विभिन्न मुद्दे उठाएंगे और उनके साथ समन्वय करेंगे। हम संभवतरू कांग्रेस द्वारा आहूत विपक्षी दलों की बैठक में भी शामिल नहीं होंगे। भाजपा के खिलाफ लड़ाई में कांग्रेस से विमुख होने के संबंध में पूछे गए सवाल पर टीएमसी नेता ने कहा कि उनके नेताओं में भाजपा के खिलाफ लड़ाई को लेकर दृढ़संकल्प की कमी है। टीएमसी २६ नवंबर को ममता बनर्जी के आवास पर पार्टी की राष्ट्रीय समन्वय समिति की बैठक करेगी।

संक्रमण के बढ़ते मामलों और नए स्वरूप के मद्देनजर सतर्क रहें : डब्ल्यूएचओ

नयी दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण के नए स्वरूप का पता चलने और कई स्थानों पर संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी के मद्देनजर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दक्षिणपूर्वी एशिया क्षेत्र के देशों से शनिवार को कहा कि वे सतर्कता बढ़ाएं और जन स्वास्थ्य सेवा एवं सामाजिक उपायों को मजबूत करें। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि उत्सवों और समारोहों में सभी एहतियाती उपाय किये जाने चाहिए और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचना चाहिए। दक्षिण–पूर्व एशिया क्षेत्र के लिए डब्ल्यूएचओ की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा, ''हमें किसी भी कीमत पर सतर्कता कम नहीं करनी है।'' उन्होंने एक बयान में कहा, ''हमारे क्षेत्र के अधिकतर देशों में कोविड–१९ के मामलों में कमी आई है, लेकिन दुनिया के अन्य देशों में मामलों में बढ़ोतरी हुई है और नए चिंताजनक स्वरूप की पुष्टि लगातार बने हुए जोखिम की याद दिलाती है तथा वायरस से बचाव करने और इसे फैलने से रोकने के लिए हमें हमारे सर्वश्रेष्ठ प्रयास जारी रखने की आवश्यकता है।'' सिंह ने कहा कि देशों को सतर्कता बढ़ानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संक्रमण को रोकने के लिए व्यापक और आवश्यता के अनुरूप सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक उपाय जारी रखने चाहिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षात्मक कदम जितने जल्दी लागू किए जाएंगे, देशों को उतने ही कम प्रतिबंधात्मक कदम उठाने पड़ेंगे। सिंह ने कहा, ''कोविड–१९ जितना फैलेगा, वायरस को उतना ही स्वरूप बदलने का अवसर मिलेगा और वैश्विक महामारी उतनी ही अधिक देर तक रहेगी।'' उन्होंने कहा कि लोगों को जो सबसे महत्वपूर्ण कदम उठाना चाहिए, वह है–वायरस के संपर्क में आने के जोखिम को कम करना। उन्होंने कहा कि इसके लिए लोगों को मास्क पहनना चाहिए, उचित दूरी बनाकर रखनी चाहिए, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचना चाहिए, हाथों को साफ रखना चाहिए, खांसते या छींकते समय मुंह को ढकना चाहिए और टीकाकरण कराना चाहिए। सिंह ने कहा, ''अभी तक क्षेत्र की ३१ प्रतिशत आबादी का पूर्ण टीकाकरण हुआ है, २१ प्रतिशत आबादी का आंशिक टीकाकरण हुआ है और लगभग ४८ प्रतिशत लोग या लगभग एक अरब लोग ऐसे हैं, जिन्होंने कोविड–१९ रोधी टीके की एक भी खुराक नहीं ली है।'' उन्होंने कहा कि टीकाकरण नहीं कराने वाले लोगों के संक्रमित होने और उनसे संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि टीकाकरण के बाद भी सभी को सावधानी बरतनी चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की तकनीकी सलाहकार समिति ने कोरोना वायरस के नये स्वरूप को 'ओमीक्रोन' नाम दिया है और इसे 'बेहद संक्रामक चिंताजनक स्वरूप' करार दिया है। इससे पहले इस श्रेणी में कोरोना वायरस का 'डेल्टा' स्वरूप था जिसके कारण यूरोप और अमेरिका के कई हिस्सों में बड़ी संख्या में लोगों की जान गई थी।

भाजपा भी सपा के नक्शे कदम पर चल रही : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने प्रयागराज में एक दलित परिवार के चार लोगों की हत्या को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी

(भाजपा) को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि भाजपा भी समाजवादी पार्टी (सपा) के नक्शे कदम पर चल रही है। बसपा प्रमुख ने शनिवार की सुबह ट्वीट किया, ''उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में अभी हाल में दबंगों द्वारा की गई एक दलित परिवार के चार लोगों की निर्मम हत्या अति–दुःखद एवं शर्मनाक है। यह घटना भी सरकार की लचर कानून–व्यवस्था को दर्शाती है। ऐसा लगता है कि इस मामले में भाजपा भी अब सपा सरकार के ही नक्शेकदम पर चल रही है।'' मायावती ने ट्वीट किया, ''इस घटना के बाद सबसे पहले पहुंचे बाबूलाल भांवरा के नेतृत्व वाले बसपा के प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि प्रयागराज में दबंगों का जबरदस्त आतंक है, जिसके कारण ही यह घटना हुई। बसपा की मांग है कि सरकार सभी दोषी दबंगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करे।'' गौरतलब है कि प्रयागराज के गोहरी गांव में बुधवार की रात एक दलित परिवार के चार लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई। चारों के सिर पर कुल्हाड़ी से वार किया गया था।

उत्तर प्रदेश में अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ कोरोना, ५ नए मामले आए सामने

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कल एक दिन में कुल १,३६,६३० सैम्पल की जांच की गयी है। जिसमें कोरोना संक्रमण के ५ नये मामले आये हैं। प्रदेश में कल तक कुल ८,७१,६६,६०० सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले २४ घंटे में ०६ तथा अब तक कुल १६,८७,३७७ लोग कोविड–१९ से ठीक हो चुके हैं। प्रदेश में कोरोना के कुल ८६ एक्टिव मामले है। उन्होंने बताया कि कोविड वैक्सीनेशन का कार्य निरन्तर किया जा रहा है। प्रदेश में कल एक दिन में १६,४२,०४० डोज दी गयी। प्रदेश में कल तक पहली डोज १०,६५,६४,१०८ तथा दूसरी डोज ४,७४,२५,४८३ लगायी गयी हैं। कल तक कुल १५,७०,१६,५६१ कोविड डोज दी गयी है। प्रसाद ने बताया कि

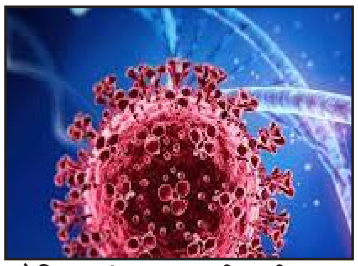

कोविड संक्रमण अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। इसलिए सभी लोग कोविड अनुरूप आचरण करे। टीकाकरण के बाद भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन अवश्य करें। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर कोविड हेल्पलाइन १८००१८०५१४५ पर सम्पर्क करें।

सम्पादकीय

निजता पर पहरा क्यो..?

डेटा संरक्षण विधेयक पर संसद की स्थायी समिति में जैसा विवाद हुआ, उसके बाद किसी के मन में यह सवाल सहज ही आ सकता है कि आखिर लोगों के निजी डेटा के संरक्षण के लिए कानून बनाने की जरूरत ही क्या है? अगर सरकार को अपनी मनमानी ही करनी है, तो वह बिना किसी कानूनी प्रावधान के अधिक बेहतर ढंग से कर सकती है। नरेंद्र मोदी सरकार के साथ मुश्किल यह है कि वह अपने वैचारिक इकसिस्टम से जुड़े समूहों के अलावा सबको अवैध मानती है। इसलिए विपक्ष या सिविल सोसायटी की तरफ से जो मांगें रखी जाती हैं या जो सुझाव दिए जाते हैं, उन पर वह गौर करने की जरूरत भी नहीं समझती। वरना, संसदीय समिति के कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने जिन बातों को लेकर आपत्ति उठाई है, उन पर सरकार जरूर विचार करती। सबसे बड़ी आपत्ति बिल के इस प्रावधान पर है कि हर व्यावहारिक रूप में सरकारी एजेंसियां इस कानून के दायरे से बाहर रहेंगी। ऐसे में प्रस्तावित कानून सिर्फ निजी क्षेत्र को विनियमित करने तक सीमित रह जाएगा। जबकि ऐसे कानून असल मकसद यह होना चाहिए कि व्यक्तियों के पर्सनल डेटा में कोई भी एजेंसी किस हद तक पैठ बना सकती है या उस डेटा का वह कैसा इस्तेमाल कर सकती है, इसका पूरी वैधानिक व्यवस्था कायम हो सके। सुप्रीम कोर्ट की संविधान बेंच २०१७ के एक फैसले में निजता को नागरिकों का मूल अधिकार घोषित कर चुकी है। पर्सनल डेटा का सीधा संबंध निजता से है। ऐसे में एजेंसी चाहे सरकारी हो या प्राइवेट– वह लोगों के निजी डेटा का मनमना उपयोग नहीं कर सकती। दुनिया के जिस किसी देश में डेटा संरक्षण का कानून बना है, उसका मकसद नागरिकों को ऐसी ही सुरक्षा देना है। यहां तक कि चीन के कानून में भी ऐसे प्रावधान किए गए हैं, जबकि वहां की व्यवस्था घोषित रूप से तानाशाही है। लेकिन, जैसाकि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने ध्यान दिलाया है, भारत के प्रस्तावित कानून में सरकारी दखल से नागरिकों को सुरक्षा देने के प्रावधान नहीं हैं। इसीलिए संसदीय समिति के इन सदस्यों ने अपना डिसेंट नोट (असंतुष्टि पत्र) जोड़ा है। जाहिर है, सरकार की नजर में इसकी भी कोई वैधता नहीं होगी। वह वैसा ही कानून पारित कराएगी, जैसा वह चाहती है।

एथेनॉल प्लांट का शिलान्यास के बाद सीएम योगी बोले- 'जिन्ना वाले नहीं क्या जानें, गन्ने की मिठास'

गोंडा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले योगी आदित्यनाथ एक्शन में आ गाय हैं. भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में एक के बाद एक योजनाओं की शुरुआत कर रही है. इसी क्रम में आज योगी आदित्यनाथ ने गोंडा जिले में ४५० करोड़ की लागत से ६५. ६१:० एकड़ में तैयार किए गए थे एथेनल प्लांट का शिलान्यास किया. इसी के उद्घाटन के बाद सीएम योगी ने अखिलेश यादव पर तंज भी कसा. उन्होंने कहा कि जिन्ना वाले नहीं समझ सकते कि गन्ने की मिठास क्या होती है. योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकारों पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस, बाबू और बुआ ने उत्तर प्रदेश का बेड़ा गर्क कर दिया. उन्होंने कहा कि लोगों को पहले राशन नहीं मिलता था. गरीब राशन के लिए घंटों दुकानों के बाहर खड़े रहते और फिर मायूस चेहरे लेकर वापस लौट जाते. उन्होंने कहा कि हमारे आने के बाद हमने यह सुनिश्चित किया कि हर गरीब को उनके अधिकार मिले. योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण पहले भी हो सकता था लेकिन अंतिम में हुआ क्या. योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले की सरकारों में जानबूझकर सामाजिक सौहार्द खराब किया जाता था. उन्होंने कहा कि यही कारण है कि आए दिन राज्य के अलग–अलग जिलों से दंगे के मामले आते रहते थे. सीएम योगी ने कहा कि हमने ५ साल सरकार संभाली और हमारे राज्य में एक भी बार कहीं दंगा नहीं हुआ. यह हमारी बहुत बड़ी उपलब्धि है. उन्होंने कहा कि हमने प्रशासन के साथ मिलकर यह सुनिश्चित किया कि माफिया और अपराधी अपने सर नहीं उठा सके।

लोकतंत्र की बुनियाद है भारतीय संविधान

'ओम बिरला, लोक सभा अध्यक्ष'

भारत विश्व का महानतम कार्यशील लोकतंत्र है। ऐसा न केवल इसके विशाल आकार अपितु इसके बहुलतावादी स्वरूप और समय की कसौटी पर खरे उतरने के कारण है। लोकतांत्रिक परंपराएं और सिद्धांत भारतीय सभ्यता की विरासत के अभिन्न अंग रहे हैं। हमारे समाज में समता, सहिष्णुता,शांतिपूर्ण सहअस्तित्व और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित जीवन शैली जैसे गुण सदियों से विद्यमान रहे हैं। वास्तव में लोकतंत्र की जड़ें हमारी राजनीतिक चेतना में बहुत गहराई तक समाई हुई हैं। इसलिए हमारे देश में विभिन्न कालखंडों में चाहे कोई भी शासन व्यवस्था रही हो, लेकिन आत्मा लोकतंत्र की ही रही। विदेशी दासता से हमारी मुक्ति का संघर्ष सत्य, अहिंसा और व्यापक जन भागीदारी पर आधारित था। अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों ने आजाद और समृद्ध भारत का सपना देखा थाय सामाजिक, आर्थिक न्याय पर आधारित समतामूलक समाज के निर्माण का सपना देखा था। इसके लिए कष्ट सहे और बलिदान दिया। एक लंबे संघर्ष के बाद हमें आजादी मिली। दुनिया के अनेक देशों ने आजादी पाई, परंतु भारत की आजादी दुनिया भर में मिसाल बनी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जब देश की आजादी के नायकों और हमारे मनीषियों ने देश के लिए संविधान की रचना की, तब हमारे संविधान में स्वतंत्रता, समानता, बंधुता और न्याय के आधारभूत मूल्यों को सहज ही शामिल कर लिया गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत जैसे विशाल एवं विविधतापूर्ण देश के लिए यह एक बड़ी चुनौती थी कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को कायम रखते हुए किस प्रकार अपने देशवासियों के सामाजिक–आर्थिक जीवन में समृद्धि लाई जा सके। संविधान निर्माण के समय हमारे संविधान निर्माताओं के समक्ष तीन मुख्य उद्देश्य थे राष्ट्र की एकता और स्थिरता को सुरक्षित रखना, व्यक्तियों की निजी स्वतंत्रता और कानून के शासन को सुनिश्चित करना तथा ऐसी संस्थाओं के विकास के लिए जमीन तैयार करना जो आर्थिक और सामाजिक समानता के दायरे को व्यापकतर बनाए। हमारे संविधान निर्माताओं ने अपने अनुभव, ज्ञान, अपनी सोच तथा देश की जनता से जुड़ाव के चलते न केवल इन लक्ष्यों को सिद्ध किया बल्कि हमें एक ऐसा संविधान दिया जो अपने समय का सबसे प्रगतिशील एवं विकास उन्मुखी संविधान है। हमारा देश विशाल एवं विविधतापूर्ण देश है। यह तेजी से संक्रमणकाल से गुजर रहा है। देश के समक्ष नई–नई चुनौतियां हैं। परंतु हमारा संविधान हमें इन चुनौतियों से निपटने की शक्ति देता है। साथ ही, इसमें देश की जनता की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने का भी पर्याप्त सामर्थ्य है। यही कारण है कि यह संविधान आज भी हमारा सबसे बड़ा मार्गदर्शक है। यह देश में न सिर्फ कानून का शासन स्थापित करता है बल्कि यह केंद्र और राज्य सहित देश की सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं को प्रदत्त शक्तियों का स्रोत भी है। भारत के संसदीय लोकतंत्र की सफलता भारत के संविधान की सुदृढ़ संरचना और इसके द्वारा विहित संस्थागत ढांचे पर आधारित है। २६ नवम्बर का दिन हमारे लिए इसलिए महत्वपूर्ण है कि वर्ष १९४६ में इसी दिन हमारे देश की संविधान सभा ने ६० हजार शब्दों से तैयार किए गए संविधान को अपनाया था। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. अम्बेडकर की १२५वीं जयंती के मौके पर वर्ष २०१५ में केन्द्र सरकार ने घोषणा की थी कि २६ नवम्बर का दिन संविधान दिवस के रूप में मनाया जाए। भारत के संविधान की

सर्वाधिक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि इसका विचारदर्शन चिरस्थायी है, लेकिन इसका खाका लचीला है। हमारा संविधान केवल अमूर्त आदर्श नहीं है, बल्कि यह एक सजीव दस्तावेज है। भारतीय संविधान के बल पर हम राजनीतिक लोकतंत्र के साथ–साथ सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना कर पाए हैं। भारतीय संविधान सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन लाने में सबसे मजबूत साधन सिद्ध हुआ है। हमारा संविधान समय के साथ–साथ नई आशाओं, आकांक्षाओं और परिस्थितियों पर खरा उतरता रहा है और वस्तुतः यह निरंतर विकसित हो रहा है। पिछले ७२ वर्षों में हमारा लोकतांत्रिक अनुभव सकारात्मक रहा है। सात दशकों की अपनी यात्रा में हमें अत्यंत गौरव के साथ पीछे मुड़ कर देखना चाहिए कि हमारे देश ने, न केवल अपने लोकतांत्रिक संविधान का पालन किया है, बल्कि इस दस्तावेज में नए प्राण फूंकने और लोकतांत्रिक चरित्र को मजबूत करने में भी अत्यधिक प्रगति की है। हमने ‘जनश को अपने ‘जनतंत्र’ के केंद्र में रखा है और हमारा देश न केवल सबसे बड़े जनतंत्र के रूप में, बल्कि एक ऐसे देश के रूप में उभर कर सामने आया है, जो निरंतर पल्लवित होने वाली संसदीय प्रणाली के साथ जीवंत और बहुलतावादी संस्कृति का उज्ज्वल प्रतीक है। हमने संविधान की प्रस्तावना के अनुरूप एक समावेशी और विकसित भारत के निर्माण के लिए न केवल अपनी नीतियों एवं कार्यक्रमों को साकार करने पर ध्यान केंद्रित किया है, बल्कि हम शासन–प्रणाली में भी रूपांतरण कर रहे हैं। यह वास्तव में एक आदर्श परिवर्तन है, जिसमें लोग अब निष्क्रिय और मूकदर्शक या ‘लाभार्थी’ नहीं रह गए हैं, बल्कि परिवर्तन लाने वाले सक्रिय अभिकर्ता हैं। भारतीय लोकतंत्र की विकास–यात्रा में अब तक सत्रह आम चुनावों और राज्यों की विधानसभाओं के लिए भी कई सफल चुनावों का आयोजन किया जा चुका है। प्रत्येक चुनाव से भारतीय लोकतंत्र समृद्ध हुआ है। एक राजनीतिक दल से दूसरे राजनीतिक दल को सत्ता का निर्बाध हस्तांतरण हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली की सफलता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। हमारा संविधान हमारे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को दिशा प्रदान करता है। परंतु विकास के स्वरूप और उसकी गति को निर्धारित करना हमारा काम है। हमारी प्रमुख निष्ठा हमारे संविधान के मूल्यों तथा हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास के फायदों को समाज के निचले पायदान पर ले जाने की होनी चाहिए। इसके लिए हमें संविधान प्रदत्त अधिकारों के साथ–साथ अपने दायित्वों के निर्वहन के महत्व को भी समझना होगा। हमारे संविधान में नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों का अद्भुत संतुलन है। आजादी के ७५ वर्षों में अब वह समय आ गया है कि राष्ट्रहित में नागरिक कर्तव्यों को समान महत्व दिया जाए। यदि हम राष्ट्रीय उद्देश्यों और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ करेंगे तो हमारा देश विकास पथ पर तीव्र गति से अग्रसर होगा तथा हमारा लोकतंत्र और अधिक समृद्ध एवं परिपक्व बनेगा। आज हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। हम एक प्रमुख विश्व अर्थव्यवस्था के रूप में निरंतर विकास कर रहे हैं। परंतु हमारे विकास की धारा एक ध्रुवीय न होकर सर्वसमावेशी और समतावादी है। ऐसा इसलिए संभव हो सका है कि क्योंकि हमारा संविधान हमें ऐसी राह दिखाता है और यह सुनिश्चित करता है कि विकास यात्रा में समाज का कोई भी हिस्सा पीछे न रह जाए। हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली स्थानीय स्वशासन तथा पंचायती राज जैसी संस्थाओं के माध्यम से महिलाओं तथा समाज के कमजोर वर्गोंकी सामाजिक आर्थिक प्रगति में भागीदारी पर बल देती है। संधिान वह मूलभूत विधि है जिस पर उस देश के अन्य सभी कानून आधारित होते हैं। यह एक पवित्र दस्तावेज है और सभी को इसके आदर्शों के प्रति पूरी तरह निष्ठावान होना चाहिए। संविधान के अंतर्गत राष्ट्र के सभी अंगों को उन लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील होने का अधिदेश सौंपा गया है जिनके हितों की रक्षा के लिए वे बनाए गए हैं। हमारी संसदीय प्रणाली के सुचारू संचालन के लिए लोकतंत्र की तीनों शाखाओं न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका को अपनी स्वतंत्रता के प्रति जागरूक रहते हुए आपसी समन्वय से कार्य करना चाहिए। आज संविधान दिवस के इस पावन अवसर पर हम सभी स्वतंत्रता आंदोलन के आदर्शों और अपने संविधान निर्माताओं की आशाओं और अपेक्षाओं का श्रद्धापूर्वक स्मरण करें और उन्हें पूरा करने का संकल्प लें।

गंगा स्वच्छता का संदेश देने वाली नीलकंठ गंगा यात्रा पहुंची प्रयागराज

लखनऊ। नीलकंठ गंगा परिक्रमा प्रयागराज पहुंच गई है। टीम के सदस्य २८ नवंबर को हनुमान मंदिर में कार्यक्रम का औपचारिक समापन करेंगे।नीलकंठ गंगा यात्रा के सदस्य बांध रोड टी प्वाइंट पर सुबह ८.५० बजे एकत्रित होकर,बडे. गंगा परिक्रमा पद यात्रा की शुरुआत हुई थी।युवाओं को गंगा का सदा रहे साथ का संदेश देती इस जोड़ी ने एक दिन में ४० से अधिक किमी यात्रा तय करती हुई चली है। प्रयागराज से शुरू अनोखी पदयात्रा पहले गंगा सागर पूरी हुई। कर्नल पांडे के अनुसार यहां से बदरी केदार के पुराने पैदल मार्ग होकर ११०० किमी की शेष पद यात्रा ऋषिकेश हरिद्वार होते प्रयागराज में पूरी होगी। प्राचीन काल से अभी तक गंगा को पार किये बिना उसकी परिक्रमा का कोई उल्लेख नहीं मिलता है ऐसे में नीलकंठ गंगा परिक्रमा पदयात्रा के जरिये उस नये मार्ग की ऐतिहासिक खोज हुई है।यात्रा की शुरुआत प्रयागराज से दिसंबर २०२० में हुई थी। यात्रा में तमाम लोग शामिल हुए। एक हिस्से ने अपनी यात्रा कुछ महीने पहले पूरी की। उस वक्त बताया गया था कि कुछ साथी रास्ते में रह गए जो अभी यात्रा कर रहे हैं। यात्रा के ये सदस्य जो बुधवार को प्रयागराज पहुंचे उसी यात्रा में शामिल रहे हैं। इसमें गुजरात के रोहित उमराव, हिरण पटेल व उत्तराखंड के सेना के एक रिटायर्ड अफसर हैं। प्रयागराज आगमन पर जलयोद्धा आर्यशेखर ने उनका स्वागत किया। गंगा समग्र की ओर से २८ नवंबर को समापन कार्यक्रम रखा गया है। इस बीच यात्रा में शामिल लोग प्रयागराज में भी कार्यक्रम करेंगे। यात्रा के पहले चरण में लोगों ने प्रयागराज से गंगोत्री तक का सफर किया था और इसके बाद दूसरे चरण में प्रयागराज से गंगा सागर तक गए थे।

हनुमान जी मंदिर मार्ग की तरफ प्रस्थान करेंगे,जहां पर पूजा अर्चना का कार्यक्रम होगा..उसके बाद ये दल किला घाट पहुंचकर भव्य कार्यक्रम का आयोजन करेगा जिसमें श्री रामाशीष,गंगा समग्र समिति के राष्ट्रीय संगठन मंत्री मुख्य अतिथि होंगे. कार्यक्रम में श्री अभिलाषा गुप्ता मेयर प्रयागराज, ब्रिगेडियर के पी कृष्ण, एनसीसी, कमांडर चन्द्रशेखर आजाद और लेफ्टिनेंट कर्नल एक सिन्हा भी (रिटायर्ड)शिरकत करेंगे राष्ट्रीय नदी गंगा को निर्मल व अविरल बहने के संदेश के साथ १६ दिसंबर २०२० को प्रयागराज से नीलकंठ तक गयी जहां यज्ञ करते गोमुख से चली गंगा के वहां तक निर्मल, अविरल पहुंचने की प्रार्थना की गयी। यहां से बंगाल, झारखंड, बिहार, उप्र होते यात्रा गंगा के मायके उत्तराखंड तक पहुंची। उप्र को दर किनार करते दोनों ने भागीरथी को पार नही करने के संकल्प के चलते गंगनानी से हर्षिल तक की करीब २२ किमी की दुर्गम घाटी क्षेत्र को पार कर १६ मई को गंगोत्री तक पहुंचे। कोरोना के चलते यहां यात्रा स्थगित करनी पड़ी जो १८ सितम्बर को फिर से शुरू हुई। देवप्रयाग मे साढे ५ हजार किमी

लोक निर्माण विभाग की विभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता में लोक निर्माण विभाग की टीम ने विजय हासिल की

लखनऊ। यू०पी० पी०डब्लू०डी० स्पोर्ट्स क्लब द्वारा विभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता (तृतीय पीडब्लूडी कप) का आयोजन सहारा सी०एस०डी० स्टेडियम, गोमती नगर, लखनऊ में किया जा रहा है, जिसमें प्रदेश भर से १२ विभागीय टीमों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। क्लब के सचिव पंकज दीक्षित ने बताया कि आज दिनांक २७.११.२०२१ को लोक निर्माण विभाग आगरा जोन एवं लोक निर्माण विभाग मुख्यालय (विश्व बैंक) की टीमों के मध्य खेला गया। टाम्स जीतकर विश्व बैंक की टीम ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिए। आगरा टीम ने सनी आनन्द के ४४ रन, उमेश एवं राहुल कुमार के २८–२८ रनों की मदद से निर्धारित २० ओवर में ७ विकेट के नुकसान पर १४८ रन का स्कोर बनाया। विश्व बैंक की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसके २ विकेट शीघ्र ही आउट हो गए मगर, आशीष कुशवाहा के नाबाद ५८ रन व जितेन्द्र यादव के नाबाद १७ रन की मदद से विश्व बैंक की टीम ने १३.५ ओवर में लक्ष्य हासिल कर ७ विकेट से मैच अपने नाम किया। विश्व बैंक की ओर से ४ विकेट प्राप्त करने वाले सुनीत पटेल को मैन आफ दी मैच चुना गया। प्रेजेन्टेशन सेरेमनी के मुख्य अतिथि शैलेन्द्र कुमार, अधीक्षण अभियन्ता द्वारा मैन अफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया।

जनपद बुलंदशहर में अनूपशहर का नामकरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की पहल पर उ०प्र० सरकार द्वारा जनपद बुलंदशहर में अनूपशहर–कर्णवास–राजघाट– नरौरा– रामघाट मार्ग (लम्बाई ३०.१३० किमी)का नामकरण ''अनूपशहर– कर्णवास– राजघाट– नरौरा– रामघाट कल्याण सिंह मार्ग'' के नाम से किया गया है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में सभी औपचारिकताएं पूरी करते हुए इस सम्बन्ध मे आवश्यक अधिसूचना उत्तर प्रदेश शासन, लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी कर दी गई है।

जनपद उन्नाव में उन्नाव–हरदोई मार्ग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की पहल पर उ०प्र० सरकार द्वारा जनपद उन्नाव में उन्नाव–हरदोई मार्ग के माथर से टाउन एरिया ऊगू को जाने वाले जिला पंचायत के मार्ग (२३०० मीटर) के चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण हेतु स्वामित्व का हस्तान्तरण लोक निर्माण विभाग में कर दिया गया है। इस संबंध में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है।

सपा राज में उत्तर प्रदेश में दंगे होते थे: अनुराग ठाकुर का आरोप

लखनऊ। केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को लक्ष्य करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि सपा राज में उत्तर प्रदेश में दंगे होते थे और हमारे (भाजपा सरकार) राज में दंगल होते हैं। उन्होंने दावा किया, ''अखिलेश भाई सुनो, तुम दंगे कराते हो और हम दंगल कराते हैं तो क्या बुराई है।'' केंद्रीय मंत्री और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिये भाजपा के सह प्रभारी अनुराग ठाकुर ने ट्वीट किया अखिलेश यादव, फर्क इतना है कि –– सपा राज में उप्र में दंगे होते थे, हमारे में दंगल। इसके पहले उन्होंने बागपत के बड़ौत में आयोजित सांसद खेल महाकुंभ में अपने संबोधन में आरोप लगाया, अगर खेलों में आगे बढ़ने का मौका दे रहे तो क्या बुराई है, ये अखिलेश यादव कहता है कि ये सांसद खेल महाकुंभ कराते हैं, अरे, अखिलेश भाई सुनो, तुम दंगे कराते हो और हम दंगल कराते हैं तो क्या बुराई है। ठाकुर ने कहा मुझे पता है कि बागपत के लोग दंगे नहीं जानते, दंगल में ही विश्वास रखते हैं। आप खेलों को बढ़ावा देना जानते हो, राजनीति नहीं जानते हो लेकिन कोई राजनीतिक प्राणी खेल को बढ़ावा दे तो इससे अच्छी बात क्या हो सकती है। उन्होंने आयोजन के लिए बागपत के भाजपा सांसद सतपाल सिंह को धन्यवाद दिया। बाद में पत्रकारों से

बातचीत में ठाकुर ने सांसद खेल महाकुंभ की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सांसदों ने मोदी जी की सोच को आगे बढ़ाया है क्योंकि ओलंपिक के बाद देश खेल को और खिलाड़ियों को बढ़ावा देना चाहता है और अगर हर सांसद इस दिशा में आगे बढ़े तो यह अपने आप में एक नई शुरुआत है। देश भर के सांसद अगर इस तरह का आयोजन करेंगे तो खिलाड़ियों को आगे आने का मौका मिलेगा।

एक मंच के नीचे दिव्यांगों के लिए सारी व्यवस्थाएं देख भावुक हो गये दिव्यांग

लखनऊ। मेरा बच्चा जन्म से ही दिव्यांग है। चौदह वर्ष का हो चुका। यह तो सरोजनी नगर विधायक व प्रदेश में महिला कल्याण एवं बाल विकास राज्यमंत्री का दया भाव है, जो यहां शिविर लगवाया और हमारा आवेदन भी ले लिया गया। यह कहते–कहते जन्म से ही बोलने, चलने में अक्षम बुद्धेश्वर से आयी आर्यन की मां की आंखों में आंसू छलक आये। यह हकीकत एक की नहीं, सैकड़ों दिव्यांगों की है, जो किसी न किसी उपकरण के लिए आये थे। शनिवार को कानपुर रोड स्थित ष्णानगर में उत्तम लान में दिव्यांगजनों के लिए एक ही जगह नौकरी से लेकर ट्राइ साइकिल, चलित दुकान, नौकरी के लिए आवेदन, स्मार्ट फोन, कम्बल वितरण दिव्यांग प्रमाण पत्र, बस व ट्रेन पास आदि के लिए स्टाल लगाये गये थे। मंत्री स्वाती सिंह ने समर्थ दिव्यांगजन नाम से लगे शिविर में एक–एक दिव्यांगों से मिलकर उनकी व्यथा को समझा और खुद भी उनकी समस्याओं को सुलझाया। पीजीआई के पास से आये दोनों पैर से दिव्यांग कमलेश ट्राई साइकिल के लिए आवेदन किये थे। उन्होंने बताया कि स्वाती सिंह हर वक्त कमजोर वर्ग के लोगों की मदद करती रही हैं। इसी क्रम में उन्होंने यह लगवाया है। उन्होंने स्वाती सिंह को धन्यवाद देते हुए कहा कि अब तक हम बेरोजगार थे। इससे हमें अब रोजगार मिल जाएगा। इसी तरह के वक्तव्य गौरीगांव सरोजनीनगर से आये गोविंद प्रसाद का भी था। स्वाती सिंह ने कहा कि हम सेवाभाव से काम करते हैं। यह हमारे लिए वोट का जरिया नहीं है। यह हमारा कर्तव्य है, जिसका निर्वहन कर रही हूं। मैं हमेशा यही कोशिश करती हूं कि जो भी योजनाओं से वंचित हैं, उन सभी तक योजना पहुंच सके।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के काम में हुई देरी तो भरना होगा जुर्माना

लखनऊ। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण को लेकर सरकार गंभीर है। सरकार ने २६ सितंबर २०२४ तक बिल्डर को काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं। इस तय समय सीमा पर अगर काम पूरा नहीं हुआ तो बिल्डर्स पर १० लाख रुपये प्रतिदिन का जुर्माना लगाया जाएगा। बिल्डर ज्यूरिख एजी और यूपी सरकार ने समझौते पर हस्ताक्षर किये थे, तब ये कहा गया था कि कंपनी बैंक गारंटी का ०.१ प्रतिशत के भुगतान की जिम्मेदार होगी। प्रोजेक्ट की डेडलाइन पार होने के बाद, कंपनी को हर दिन मुआवजे के रूप में एक रकम देनी होगी। ल्फ्व्-सरकार को १५ दिसंबर तक पूरी कार्यरूप योजना सौंपेगा जिसमें डेडलाइन का भी जिक्र होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इसी गुरुवार इस एयरपोर्ट का शिलान्यास किया था।

उत्तर प्रदेश को न बुआ चाहिए, न बबुआ चाहिए, सिर्फ बाबा चाहिए : राजनाथ सिंह

जौनपुर (उप्र)। रक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के काशी क्षेत्र के बूथ प्रभारी राजनाथ सिंह ने शनिवार को बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को न बुआ (मायावती)और न बबुआ (अखिलेश यादव) चाहिए, राज्य को सिर्फ बाबा (योगी आदित्यनाथ) चाहिए। यहां टीडी कालेज में काशी क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा उत्तर प्रदेश को न बुआ (मायावती) चाहिए न बबुआ (अखिलेश यादव) चाहिए, सिर्फ बाबा (योगी आदित्यनाथ) चाहिए।'' गौरतलब है कि २०१६ के लोकसभा चुनाव में बसपा और सपा के गठबंधन के बाद बसपा प्रमुख मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव की जोड़ी को बुआ–बबुआ का नाम मिला था। सिंह ने कहा आप तो जानते ही हैं कि योगी जी कितने बड़े बल्लेबाज हैं, जिस दिन सोशल मीडिया में योगी जी के कंधे पर मोदी जी के हाथ रखी तस्वीर आई थी, तब जानते हैं कि मोदी जी ने क्या कहा था– योगी जी आप चिंता मत करिये, आप धड़ाधड़ बैटिंग करते जाइए। उन्होंने कहा, आज मुख्यमंत्री का नाम सुनते ही गुंडे माफियाओं के दिल में दहशत पैदा हो जाती है। राज्य में बेहतर कानून–व्यवस्था का दावा करते

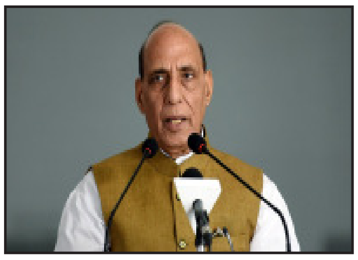

हुए उन्होंने कहा उप्र में पौने पांच लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है जो आज तक उत्तर प्रदेश के इतिहास में कभी नहीं आया। उन्होने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, २६ नवम्बर २००८ को मुंबई में हुए आतंकी हमले के बाद कांग्रेस ने कठोर कदम नहीं उठाया, यह मै नही कह रहा हूं खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने अपने किताब में लिखा है कि हमले के बाद जो कार्रवाई करना चाहिए था वह नहीं किया गया। सिंह ने कहा, जब से हमारी सरकार बनी है, आतंकवाद पर पूरी तरह से लगाम लग गया है और आतंकी सीमा पर ही मारे जा रहे है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि जिन्ना का जिन्न किस बोतल से निकाला। उन्होंने उत्तर प्रदेश में विगत साढ़े चार साल के भाजपा कार्यकाल में किये गए विकास, रोजगार और सामाजिक सद्भावना, अपराध मुक्त वातावरण की तारीफ करते हुए योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल की तारीफ की। उन्होंने देश की सुरक्षा पर कहा कि हम किसी को छेड़ेंगे नही, अगर कोई छेड़ा तो उसे छोड़ेंगे भी नही। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश को तोड़ने वाले तत्वों को हमें भूलना नहीं चाहिए, ये वही लोग हैं जो २०१७ के पहले सत्ता रहने पर दंगों के जरिए प्रदेश के अंदर आस्था पर प्रहार करने थे। ये वही तत्व हैं, जिन्होंने प्रदेश में भ्रष्टाचार फैलाकर प्रदेश के विकास को बाधित किया था। सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने भी संबोधित किया।

लोकसभा में सोमवार को पेश होगा कृषि कानूनों को निरस्त करने संबंधी विधेयक

नयी दिल्ली। सरकार तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को निरस्त करने संबंधी विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश करेगी जिसमें कहा गया है कि किसानों का एक छोटा समूह इन कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन समय की जरूरत है कि समावेशी विकास के लिए सबको साथ लेकर चला जाए। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन यानी सोमवार की लोकसभा की कार्यवाही सूची में इस विधेयक को शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से तीनों कानूनों को निरस्त करने की घोषणा के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस विधेयक को मंजूरी दी थी। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर निचले सदन में इस विधेयक को पेश करेंगे। सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी कांग्रेस ने अपने सांसदों को व्हिप जारी कर कहा कि वे सोमवार को सदन में मौजूद रहें। लोकसभा की २६ नवंबर की कार्यवाही सूची के अनुसार, कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) अधिनियम, २०२०, कृषक (सशक्तिकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार अधिनियम २०२० और आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम, २०२० को निरस्त करने और आवश्यक वस्तु अधिनियम, १६५५ में संशोधन करने से संबंधित विधेयक पेश करेंगे। उधर, किसान नेताओं ने शनिवार को

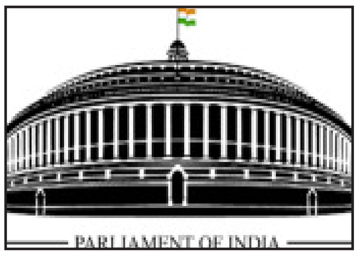

कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने संसद तक २६ नवंबर को आहूत अपने ट्रेक्टर मार्च को स्थगित कर दिया है और अगले महीने एक बैठक में आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। मार्च को स्थगित करने का निर्णय संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने से दो दिन पहले किया गया है। पिछले एक साल से कानूनों का विरोध कर रहे किसान संगठनों का नेतृत्व करने वाले संयुक्त किसान मोर्चा ने यह भी कहा कि वह किसानों को उनकी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने वाले कानून की मांग पर संसद में आश्वासन चाहता है।

Omicron वैरिएंट ने डराया: इंटरनेशनल फ्लाइट्स शुरू करने पर रिव्यू , दिल्ली में अलर्ट, महाराष्ट्र ने जारी की नई गाइडलाइन

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना के नए वेरिएंट का पता चलने और इसे लेकर दुनियाभर में आशंकाओं के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में कोरोना की ताजा स्थिति और जारी टीकाकरण अभियान को लेकर एक बैठक की। बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि हमें नए वेरिएंट को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जिन जगहों से ज्यादा मामले आ रहे हैं वहां ज्यादा सावधानी की जरूरत है। पीएम मोदी ने अधिकारियों से अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों में ढील देने की समीक्षा करने को भी कहा है। कोरोना के नए वेरिएंट ने सभी की चिंताएं बढ़ा दी हैं। इसको लेकर दावा किया जा रहा है कि ये वैक्सीन से भी बच कर निकल सकता है। ओमीक्रोन वेरिएंट को लेकर तमाम देशों ने पाबंदियां लगानी शुरू कर दी है। भारत में भी इसको लेकर तमाम राज्य अपनी–अपनी तैयारियां दुरुस्त करने में लगे हैं। महाराष्ट्र ने इसके लिए नए गाइडलाइन भी जारी कर दिए हैं। महाराष्ट्र सरकार की तरफ से जारी दिशा निर्देश के तहत देश से बाहर से आने सूबे में आने वाले सभी यात्री हर हाल में भारत सरकार के तय नियमों का पालन करेंगे। इसके साथ ही राज्य में उन्हीं घरेलू यात्रियों को आने की इजाजत होगी जिन्होंने टीके की दोनों डोज ले रखी हो या फिर उनके पास ७२ घंटे पुरानी आरटी–पीसीआर निगेटिव रिपोर्ट हो। कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर दिल्ली में हाई अलर्ट है। एलजी ने मुख्य सचिव और पुलिस कमीश्वर को निर्देश दिए हैं। एलजी की तरफ से अधिकारियों को कहा गया है कि दिल्ली में कोविड प्रोटोकल का सख्ती से पालन किया जाए। इसके साथ ही कहा गया है कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अस्पतालों को निपटने के लिए तमाम तरह की तैयारियां करनी चाहिए। नए वेरिएंट को लेकर आगामी सोमवार को डीडीएमए की एक अहम बैठक है।

सरकार को सर्दी के बाद जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने चाहिए : आजाद

श्रीनगर। कांग्रेस के नेता गुलाम नबी आजाद ने शनिवार को कहा कि केंद्र को फरवरी तक जम्मू–कश्मीर में परिसीमन प्रक्रिया पूरी करके सर्दी के तुरंत बाद विधानसभा चुनाव कराने चाहिए। श्रीनगर से लगभग ७५ किलोमीटर दूर दक्षिण कश्मीर के कुलगाम के देवसर इलाके में कार्यकर्ताओं की सभा को संबोधित करते हुए आजाद ने यह भी कहा कि सर्दी के अगले चार महीने में चुनाव कराना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, अगले चार महीने में चुनाव संभव नहीं हैं और अगर वे (केंद्र) चाहें तो भी हम ना कहेंगे। हम सभी ने (जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुलाई गई) सर्वदलीय बैठक में कहा था कि पहले राज्य का दर्जा बहाल किया जाए और फिर परिसीमन होना चाहिये। आजाद ने पत्रकारों से कहा, "लेकिन, सरकार ने इसे स्वीकार नहीं किया। इसलिए, उन्हें फरवरी तक परिसीमन प्रक्रिया समाप्त करनी चाहिए और सर्दी खत्म होने के बाद, अप्रैल में चुनाव होने चाहिये। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि प्राथमिकता यह नहीं है कि कौन मुख्यमंत्री बने, बल्कि यह है जम्मू–कश्मीर में ४ अगस्त, २०१६ की स्थिति को कैसे बहाल किया जाए। उन्होंने कहा, "प्राथमिकता मुख्यमंत्री को लेकर नहीं है, यह मुद्दा ही नहीं है। प्राथमिकता यह है कि ४ अगस्त २०१६ की स्थिति को कैसे बहाल किया जाए। ऐसा राज्य का दर्जा बहाल करने और फिर विधानसभा चुनाव कराने से होगा।" आजाद ने कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग कश्मीर केंद्रित नहीं है। उन्होंने कहा, "राज्य के दर्जे को लेकर कोई लड़ाई नहीं है। जम्मू में हिंदू भाई, कश्मीर में सिख, मुसलमान और यहां तक घ्घ्कि पंडित भी राज्य का दर्जा चाहते हैं। कोई ये न समझे कि केवल कश्मीरी ही राज्य का दर्जा चाहते हैं, मैंने बार–बार कहा है और यहां तक घ्घ्कि सर्वदलीय बैठक में भी कहा है कि भाजपा के नेता भी राज्य का दर्जा चाहते हैं।

BSF का जवान निकला हथियार तस्करों का किंगपिन, झारखंडATS ने बड़े गिरोह का किया पर्दाफाश

झारखंड। झारखंड एटीएस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। देशभर में उग्रवादी और अपराधिक संगठनों को हथियार सप्लाई करने के नेटवर्क का खुलासा करते हुए पांच लोगों की गिरफ्तारी हुई है। पंजाब के बीएसएफ के जवान को इस जिनका नाम आया है उसके लिए जो कानून में कड़ी से कड़ी कार्रवाई का प्रावधान है वो करेंगे, जिससे की इस तरह की हरकत की पुर्नावृत्ति नहीं हो। हथियार तस्करों के पास से ८ हजार राउंड से ज्यादा कारतूस, १४ आधुनिक पिस्टल, २१ मैगजीन

पूरे नेटवर्क के किंगपिन के रूप में गिरफ्तार किया गया है। वहीं उनके निशानदेही पर १४ पिस्टल और आठ हजार से ज्यादा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। सप्लाई आर्म्स चेन को तोड़ने के लिए इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। इसमें कई इंटरस्टेट नेटवर्क उजागर हुए हैं। देश के ५ राज्यों बिहार, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान और मध्यप्रदेश में अलग–अलग ठिकानों पर छापेमारी के बाद ५ लोगों को गिरफ्तार किया है। आईजी अभियान अमोल विष्णुकांत होमकर ने कहा कि एंटी नक्सल अपरेशन में कंधे से कंधा मिलाकर सभी अपने कार्य कर रहे हैं। जो इस तरह के तत्व सहित कई सामान बरामद किए गए है। इस मामले में बीएसएफ के एक वर्तमान और एक पूर्व जवान की भी गिरफ्तारी हुई है। सबसे हैरानी की बात ये है कि जो कारतूस बरामद किया गया है उसे बीएसएफ कैंप में ही रखा गया था। पुलिस अधिकारी के अनुसार पंजाब के बीएसएफ की ११६ बटालियन का जवान पूरे नेटवर्क में किंगपिन का काम कर रहा था। एटीएस की टीम ने छापामारी करते हुए पंजाब के फिरोजपुर में स्थित बीएसएफ बटालियन के कैंप के अंदर छापेमारी करते हुए एक अन्य बीएसएफ जवान कार्तिक बेहरा को गिरफ्तार किया।

न्यायाधीशों का दायित्व है कि वे अपनी बात कहने में अत्यधिक विवेक का प्रयोग करें : राष्ट्रपति

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को यहां कहा कि यह न्यायाधीशों का दायित्व है कि वे अदालत कक्षों में अपनी बात कहने में अत्यधिक विवेक का प्रयोग करें। उच्चतम न्यायालय द्वारा आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कोविंद ने कहा कि भारतीय परंपरा में, न्यायाधीशों की कल्पना स्थितप्रज्ञ (स्थिर ज्ञान का व्यक्ति)के समान शुद्ध और तटस्थ आदर्श के रूप में की जाती है। उन्होंने कहा, हमारे पास ऐसे न्यायाधीशों की विरासत का एक समृद्ध इतिहास है, जो दूरदर्शिता से पूर्ण और निंदा से परे आचरण के लिए जाने जाते हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए विशिष्ट पहचान बन गए हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह उल्लेख करने में खुशी हो रही है कि भारतीय न्यायपालिका इन उच्चतम मानकों का पालन कर रही है। उन्होंने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं है कि आपने अपने लिए एक उच्च स्तर निर्धारित किया है। इसलिए, न्यायाधीशों का यह भी दायित्व है कि वे अदालत कक्षों में अपने बयानों में अत्यधिक विवेक का प्रयोग करें। अविवेकी टिप्पणी, भले ही अच्छे इरादे से की गई हो, न्यायपालिका के महत्व को कम करने वाली संदिग्ध व्याख्याओं को जगह देती है।'' राष्ट्रपति ने अपने तर्क के समर्थन में डेनिस बनाम अमेरिका मामले में अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश फ्रैंकफर्टर को उद्धृत किया, जिन्होंने कहा था कि अदालतें प्रतिनिधि निकाय नहीं हैं और ये लोकतांत्रिक समाज का अच्छा प्रतिबिंब बनने के लिए डिजाइन नहीं की गई हैं। अमेरिकी न्यायाधीश को उद्धृत करते हुए कोविंद ने कहा कि अदालतों का आवश्यक गुण स्वतंत्रता पर आधारित तटस्थता है, और इतिहास सिखाता है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता तब खतरे में पड़ जाती है जब अदालतें भावना संबंधी जुनून में उलझ जाती हैं, और प्रतिस्पर्धी राजनीतिक, आर्थिक तथा सामाजिक दबाव के बीच चयन करने में प्राथमिक जिम्मेदारी लेना शुरू कर देती हैं। कोविंद ने कहा, हम एक शानदार इतिहास के उत्तराधिकारी हैं, जिसमें कानूनी हस्तियों ने न केवल राष्ट्रीय आंदोलन को आकार दिया, बल्कि एक निरूस्वार्थ सार्वजनिक व्यक्तित्व का एक आदर्श भी स्थापित किया।'' राष्ट्रपति ने कहा, शुरुआत से ही न्यायपालिका ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए आचरण के उच्चतम मानकों का लगातार पालन किया है। लोगों की नजर में यह सबसे भरोसेमंद संस्थान है। कोविंद ने सोशल मीडिया पर न्यायाधीशों के खिलाफ की जाने वाली टिप्पणियों पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, ''...सोशल मीडिया मंचों पर न्यायपालिका के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों के कुछ मामले सामने आए हैं। इन मंचों ने सूचनाओं को लोकतांत्रिक बनाने के लिए अद्भुत काम किया है, फिर भी उनका एक स्याह पक्ष भी है। इनके द्वारा दी गई नाम उजागर न करने की सुविधा का कुछ शरारती तत्व फायदा उठाते हैं। यह पथ से एक भटकाव है, और मुझे उम्मीद है कि यह अल्पकालिक होगा।'' राष्ट्रपति ने कहा कि इस तरह के घटनाक्रम के पीछे क्या वजह हो सकती है। उन्होंने कहा, क्या हम एक स्वस्थ समाज की खातिर सामूहिक रूप से इसके पीछे के कारणों की जांच कर सकते हैं। कोविंद ने कहा, ''संविधान हमारी सामूहिक यात्रा का प्रारूप है।'' उन्होंने कहा, ''इसके मूल में न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व हैं। आइए देखें कि न्याय के बारे में उसका क्या कहना है। राष्ट्रपति ने कहा कि बहुत कम और सावधानी से चुने गए शब्दों में, प्रस्तावना न्याय की धारणा को उसके सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक पहलुओं को शामिल करने के लिए विस्तारित करती है। उन्होंने कहा, संविधान यही चाहता है कि भारत के हम सभी नागरिक सुरक्षित रहें। इस आदर्श की तुलना में हम कहां तक घ्घ्सफल हुए हैं। राष्ट्रपति ने लंबित मामलों और न्यायाधीशों की नियुक्ति के बारे में भी बात कीऔर स्पष्ट किया कि उनका ढ़ विचार है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हालांकि, उन्होंने पूछा, इसे थोड़ा भी कम किए बिना, क्या उच्च न्यायपालिका के लिए न्यायाधीशों का चयन करने का एक बेहतर तरीका खोजा जा सकता है? कोविंद ने कहा, उदाहरण के लिए, एक अखिल भारतीय न्यायिक सेवा हो सकती है जो निचले स्तर से उच्च स्तर तक सही प्रतिभा का चयन कर सकती है और इसे आगे बढ़ा सकती है। उन्होंने कहा कि यह विचार नया नहीं है और बिना परीक्षण के आधी सदी से भी अधिक समय से है। राष्ट्रपति ने कहा, मुझे यकीन है कि व्यवस्था में सुधार के लिए बेहतर सुझाव भी हो सकते हैं। आखिरकार, उद्देश्य न्याय प्रदायगी तंत्र को मजबूत करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मामलों के लंबित होने से जुड़े मुद्दे का आर्थिक वृद्धि और विकास पर भी असर पड़ता है। कोविंद ने कहा, अब समय आ गया है कि सभी हितधारक राष्ट्रीय हित को सबसे ऊपर रखकर कोई रास्ता निकालें। इस प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी बड़ी सहायक हो सकती है। महामारी की वजह से न्यायपालिका के क्षेत्र में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी को अपनाने में तेजी आई है। राष्ट्रपति ने कहा कि न्याय वह महत्वपूर्ण आधार है जिसके चारों ओर एक लोकतंत्र घूमता है, तथा यह तब और मजबूत होता है जब राज्य की तीन संस्थाएं– न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका– एक सामंजस्यपूर्ण ढंग से अस्तित्व में होती हैं। उन्होंने कहा, संविधान में, प्रत्येक संस्था का अपना परिभाषित स्थान होता है जिसके भीतर वह कार्य करता है। विपथन (आपात काल) के एक संक्षिप्त चरण को छोड़कर, हमारे गणतंत्र की यात्रा शानदार रही है। उस चरण के दौरान भी, मुझे विख्यात न्यायविद नानी पालकीवाला की टिप्पणी स्पष्ट रूप से याद आती है जिन्होंने प्रसिद्ध रूप से कुछ हजार वर्ग फुट की बात की थी जहां कोई व्यक्ति स्वतंत्र रूप से बोल सकता है। “राष्ट्रपति ने कहा कि पालकीवाला का स्पष्ट रूप से भारत के उन न्यायालयों की ओर इशारा था जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी है।

हम भाजपा की लूट वाली नीति को खत्म करेंगे : प्रियंका गांधी वाड्रा

महोबा (उप्र)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को लड़की हूं, लड़ सकती हूं के नारे के उद्घोष के साथ कहा कि भाजपा की नई खनिज नीति, किसानों की दुर्दशा, पानी की समस्या, बेरोजगारी, महंगाई के चलते बुंदेलखंड का बुरा हाल है। प्रियंका ने दावा किया कि हम भाजपा की लूट वाली नीति को खत्म्म करेंगे। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को यहां छत्रसाल स्टेडियम में प्रतिज्ञा रैली में वादा किया, उत्तर प्रदेश में यदि कांग्रेस की सरकार बनती है तो किसानों का पूरा कर्ज माफ होगा और महिलाओं को साल में तीन घरेलू गैस सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, कोरोना काल में आर्थिक तंगी के चलते बिजली बिल न जमा करने वालों का बिजली बिल भी माफ होगा। बुंदेलखंड के किसानों की समस्याओं का जिक्र करते हुए प्रियंका ने कहा कि बुंदेलखंड के संसाधनों पर बुंदेलखंड के लोगों का हक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बुंदेलखंड को छलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि खाद की कमी के चलते बुंदेलखंड में किसान आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होंने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर किसानों के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए दावा किया कि दो सालों में १५०० किसानों ने आत्महत्या की। बुंदेलखंड के विकास के लिए काम करने का भरोसा देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा की तरह चुनावी बुंदेलखंड विकास बोर्ड नहीं बल्कि इसके लिये स्थाई बुंदेलखंड विकास

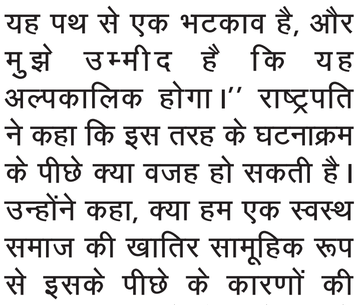

बोर्ड बनेगा। बुंदेलखंड विकास बोर्ड के लिए हर साल विकास का बजट दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि महोबा में वीर आल्हा–ऊदल के नाम पर एक बड़ा सांस्कृतिक केंद्र बनायेंगे। उन्होंने कहा कि हमने छुट्टा जानवरों के लिए छत्तीसगढ़ के मडल को लागू करने की योजना बनायी है और हमारी सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ़ मडल यहां लागू करेंगे। कांग्रेस महासचिव ने भरोसा दिया हमने ये भी तय किया है जिन परिवारों को सबसे ज्यादा आर्थिक मार कोरोना की पड़ी है, जिनके छोटे–छोटे कारोबार बंद हुए उनको २५००० रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। साथ ही यह भी कहा हमने यह भी तय किया कि २० लाख सरकारी रोजगार देंगे और हमारी सरकार बनने के बाद कोई भी बीमारी हो तो १० लाख रुपये तक का इलाज सरकार करवायेगी। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार के पास बुंदेलखंड के विकास के लिए कोई योजना नहीं है। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा आप पूछिये कि यहां के पान के लिए क्या योजनाहै, भंवर सागर के लिए क्या योजना है। उन्होंने कहा कि पत्थर यहां का सोना है लेकिन सरकार की गलत नीतियों के कारण यहां के लोगों को कुछ नहीं मिल रहा है। उन्होंने सरकार पर पर्यटन उद्योग को बर्बाद करने का आरोप लगाया। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी शनिवार दोपहर बाद महोबा पहुंचीं। रैली में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कांग्रेस अल्पसंख्यक सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी, पूर्व राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू भी मौजूद थे।

वैक्सीन कंपनियों ने तैयारी शुरू की

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का नया वैरिएंट मिलने के बाद वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों ने तैयारी शुरू कर दी है। कंपनियां अपनी मौजूदा वैक्सीन के इस पर असर का आकलन कर रही हैं और नई ककटेल डोज या बूस्टर डोज बनाने की तैयारी भी कर रही हैं। नए वैरिएंट को लेकर चिंता बढ़ने के बीच एस्ट्राजेनेका ने शुक्रवार को कहा है कि वह दक्षिण अफ्रीका में मिले नए वैरिएंट ओमिक्रन पर अपनी वैक्सीन और एंटीबडी ककटेल के प्रभाव की जांच कर रही है। उसने उम्मीद जताई की कॅम्बिनेशन ड्रग इस वैरिएंट पर कारगर रहेगी। उधर अमेरिकी दवा कंपनी मर्डना ने शुक्रवार को कहा कि वह कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रन के खिलाफ बूस्टर डोज तैयार करेगी। मर्डना ने कहा कि कंपनी नए खतरे से निपटने के लिए काम कर रही है और वह अपने मौजूदा टीके को नए वैरिएंट के हिसाब से ज्यादा असरदार बनाएगी। मर्डना के मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टीफन बैंसेल ने कहा– नया वैरिएंट चिंता का कारण बना हुआ है। इसके खिलाफ हम अपनी रणनीति तैयार करने में लगे हुए हैं।

स्कूटी सवार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र स्थित शहीद पथ पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने गुरुवार सुबह स्कूटी सवार युवक को टक्कर मार कर फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने खून से लथपथ स्कूटी सवार को इलाज के लिए नजदीकी लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के पास मिले मोबाइल फोन से स्कूटी सवार के परिजनों को सूचना देने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आशियाना थाना प्रभारी के मुताबिक गुरुवार सुबह लगभग सात बजे थाना क्षेत्र स्थित रमाबाई चौकी के निकट शहीद पथ पुल पर सरोजनीनगर से चिनहट की तरफ जा रहे स्कूटी सवार युवक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल ले गई जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया है। वहीं मृतक युवक के पास से मिले मोबाइल फोन फोन के आधार पर युवक की पहचान मोहम्मद कैफ २६ पुत्र जैनुद्दीन निवासी बाग नम्बर तीन थाना सरोजनीनगर व मूल निवासी शाहपुर जनपद गोरखपुर के रूप में हुई है। मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

विमान का सबसे बड़ा रखरखाव केंद्र होगा नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा : पीएम नरेंद्र मोदी

नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार २५ नवंबर को कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा विमान की मरम्मत, रखरखाव और संचालन का सबसे बड़ा केंद्र होगा। उन्होंने कहा कि एक रखरखाव सुविधा का निर्माण किया जाएगा जो सैकड़ों युवाओं को रोजगार प्रदान करेगी। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद उत्तरप्रदेश में ५ हवाईअड्डे होंगे। ५ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डो वाला यूपी भारत में पहला राज्य होगा। हवाई अड्डे की आधारशिला रखने के बाद बोलते हुए, पीएम ने कहा कि नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा विमान की मरम्मत, रखरखाव और संचालन का सबसे बड़ा केंद्र होगा। यहां ४० एकड़ के क्षेत्र में विमान के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल की सुविधा बनाई जाएगी, जिससे

सैकड़ों युवाओं को रोजगार मिलेगा। पीएम मोदी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि हवाई अड्डे से राज्य में पर्यटन को कैसे बढ़ावा मिलेगा। इससे पहले पीएम ने खुशीनगर हवाईअड्डे का उद्घाटन किया था। हवाई अड्डे की आधारशिला रखने के बाद बोलते हुए, पीएम ने कहा कि नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा विमान की मरम्मत, रखरखाव और संचालन का सबसे बड़ा केंद्र होगा। यहां ४० एकड़ के क्षेत्र में विमान के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल की सुविधा बनाई जाएगी, जिससे सैकड़ों युवाओं को रोजगार मिलेगा। पीएम मोदी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि हवाई अड्डे से राज्य में पर्यटन को कैसे बढ़ावा मिलेगा। इससे पहले पीएम ने खुशीनगर हवाईअड्डे का उद्घाटन किया था।

UP में चुनावी घमासान के बीच 'आप' सांसद संजय सिंह को जान से मारने की धमकी, ट्वीट कर साझा किए फोन नंबर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी चुनावों के घमासान के बीच आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सदस्य एवं उत्तर प्रदेश के पार्टी प्रभारी संजय सिंह को जान से मारने की धमकी मिली है। संजय सिंह ने मोबाइल पर उन्हें जान से मारने की धमकी मिलने की सूचना दी है। जिसके बाद लखनऊ के गोमतीनगर थाना पुलिस ने उनकी धमकी की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। आप सांसद संजय सिंह ने ट्वीट कर धमकी की जानकारी देते हुए कहा कि, मुझे जान से मारने की फिर धमकी मिली है, शायद कुछ लोग मुझे जान से मारना चाहते हैं, कोई बात नहीं, लेकिन मैं उन कायर गुंडो को बताना चाहता हूं कि मैं जुर्म और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना बंद नहीं करूंगा। लखनऊ पुलिस इस नंबर का संज्ञान लें, इसी नंबर से काल आयी थी मेरे सहयोगी अजीत पर काल डाइवर्ट थी। संजय सिंह ने जिस नंबर से धमकी मिली उसे भी साझा किया है। इसके अलावा सांसद सिंह ने ट्वीट के साथ गोमतीनगर थाने में दर्ज प्राथमिकी की कपी का फोटो भी शेयर किया है। लखनऊ के पुलिस आयुक्त डीके ठाकुर ने इस संबंध में बताया कि, संजय सिंह को धमकी दिये जाने के मामले में गोमतीनगर थाने में मामला दर्ज किया गया। जिस नंबर से सांसद को धमकी मिली है उसकी जांच की जा रही हैं।

अद्भुत मंदिरः अदृश्य हो जाने वाला मंदिर

अमरेन्द्र सहाय अमर

भारत में सभी धर्म समुदाय के लोग एकता, सद्भावना के साथ रहते हैं. इन सभी धर्मों के पवित्र पूजन स्थलल भी यहां मौजूद हैं. विशेष तौर पर भारत में हिंदू धर्म से जुड़े कई प्राचीन मंदिर स्थित हैं, इनमें भी कुछ ऐसे हैं जो कि रहस्यों भरे हुए हैं जैसे राजस्थाहन का करणी माता मंदिर या फिर पुष्क र का ब्रह्मा मंदिर. लेकिन एक ऐसा मंदिर भी है जो दिन में एक से दो बार नजरों से ही ओझल हो जाता है, यानि वह आपकी नजरों से गायब हो जाता है . ये मंदिर है भगवान शिव का मंदिर, स्तंदभेश्वर महादेव का ये मंदिर कावी, गुजरात में स्थित है .हैरान कर देने वाली बात यह है की यह मंदिर पल भर के लिए ओझल हो जाता है, फिर थोड़ी देर बाद ही उसी जगह पर वापिस भी आ जाता है. दरअसल यह मंदिर अरब सागर के बिल्कुल सामने है, वडोदरा से ४० मील की दूरी पर स्थित इस मंदिर की खास बात यह है कि आप इस मंदिर की यात्रा तभी कर सकते हैं जब समुद्र में ज्वार कम हो. ज्वार के समय यहां स्थित शिवलिंग पूरी तरह से जलमग्न हो जाता है. यह प्रक्रिया सदियों से चली आ रही है. मंदिर अरब सागर के बीच कैम्बे तट पर स्थित है. इस तीर्थ का उल्लेख 'श्री महाशिवपुराण' मे भी मिलता है. इस मंदिर की खोज लगभग १५० साल पहले हुई. मंदिर में स्थित शिवलिंग का आकार ४ फुट ऊंचा और दो फुट के व्यास वाला है. इस प्राचीन मंदिर के पीछे अरब सागर का सुंदर नजारा दिखाई पड़ता है. यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए खासतौर से पर्चे बांटे जाते हैं. जिसमें ज्वार–भाटा आने का समय लिखा होता है. ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना न करना पड़े.पौराणिक मान्यता के अनुसार राक्षस ताड़कासुर ने अपनी तपस्या से शिव को प्रसन्न कर लिया था. जब शिव उसके सामने प्रकट हुए तो उसने वरदान मांगा कि उसे सिर्फ शिव जी का पुत्र ही मार सकेगा और वह भी छह दिन की आयु का. शिव भगवान् ने उसे यह वरदान दे दिया था. वरदान मिलते ही ताड़कासुर ने उत्पात मचाना शुरू कर दिया. देवताओं और ऋषि–मुनियों को आतंकित कर दिया. देवता महादेव की शरण में पहुंचे. शिव–शक्ति से श्वेत पर्वत के कुंड में उत्पन्न हुए शिव पुत्र कार्तिकेय के ६ मस्तिष्क, चार आंख, बारह हाथ थे. कार्तिकेय ने ही मात्र ६ दिन की आयु में ताड़कासुर का वध किया था.जब शिव पुत्र कार्तिकेय को पता चला कि ताड़कासुर भगवान शंकर का भक्त था, तो वे काफी व्यथित हुए. फिर भगवान विष्णु ने कार्तिकेय से कहा कि वे वधस्थल पर शिवालय बनवा दें. इससे उनका मन शांत होगा. कार्तिकेय ने ऐसा ही किया. सभी देवताओं ने मिलकर महिसागर संगम तीर्थ पर विश्वनंदक स्तंभ की स्थापना की, जिसे आज स्तंभेश्वर तीर्थ के नाम से जाना जाता है. पौराणिक मान्यता के मुताबिक स्तंभेश्वर महादेव मंदिर में स्वयं शिवशंभु यानि भगवान शंकर विराजते हैं इसलिए समुद्र देवता स्वयं उनका जलाभिषेक करते हैं. यहां पर महिसागर नदी का सागर से संगम होता है।

एसआइटी ने 114 जांचों को पूरा कर दोषियों पर कसा शिकंजा

लखनऊ। भ्रष्टाचार व वित्तीय अनियमितता के गंभीर मामलों में विशेष अनुसंधान दल (एसआइटी) ने दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की जीरो टालरेंस की नीति के तहत कदम बढ़ाते हुए जांच एजेंसी ने बीते साढ़े चार वर्ष में सर्वाधिक ११४ जांचें पूरी कर आरोपितों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की है। सपा शासनकाल में हुए बहचर्चित जलनिगम भर्ती घोटाले में एसआइटी ने पूर्व मंत्री व रामपुर के सांसद आजम खां व तत्कालीन कई अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की है। सोनभद्र के उभ्भा कांड, सहारनपुर के टपरी स्थित शराब फैक्ट्री में आबकारी अधिकारियों की मिलीभगत से करोड़ों की कर चोरी व ऐसे अन्य गंभीर मामलों में भी एसआइटी ने आरोपितों पर शिकंजा कसा।अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी के अनुसार एसआइटी को वर्तमान शासनकाल में ११६ जांच और विवेचनाएं प्रदान की गई हैं। इनमें वर्ष २०१७ में ३०, वर्ष २०१८ में १४, वर्ष २०१६ में ४६, वर्ष २०२० में ४० तथा वर्ष २०२१ में अगस्त माह तक ३६ जांच व विवेचनाएं प्रदान की गईं। एसआइटी ने इस अवधि में ११४ जांचों का निस्तारण कर आरोपितों के विरुद्ध कार्रवाई की है।टपरी शराब फैक्ट्री मामले

में एसआइटी अब तक ११ आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। इसके अलावा रामपुर स्थित मु. अली जौहर प्रशिक्षण संस्थान जौहर विश्वविद्यालय की जांच, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम के १३७ निर्माण कार्यों में अनियमितता की जांच, उत्तर प्रदेश सहकारी संस्थागत सेवा मंडल द्वारा की गई भर्तियों में अनियमितता की जांच, १७ मंडलों में पशुधन प्रसार अधिकारी के पद पर भर्ती में अनियमितता की जांच, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा भर्ती प्रक्रिया में की गई अनियमितता व ऐसे अन्य महत्वपूर्ण मामलों में एसआइटी ने रिकार्ड समय में जांचें पूरी की हैं।इसके अलावा एसआइटी वर्तमान में आगरा विश्वविद्यालय की फर्जी डिग्री के मामले, उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा अवैध वसूली के मामले, गोंडा के २८ महाविद्यालयों में अनियमितताओं, समाज कल्याण विभाग द्वारा छात्रवृत्ति में अनियमितता, हज हाउस में निर्माण संबंधी अनियमितता, आजमगढ़ व मीरजापुर के मदरसों में अनियमितता, मुरादनगर (गाजियाबाद) में श्मशान के निर्माण कार्य में धांधली, कानपुर में शस्त्र लाइसेंसों में अनियमितता व सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर प्लाटिंग किए जाने समेत अन्य कई गंभीर मामलों की छानबीन कर रही है।

यूवती पर लाठी-डंडे व चाकू से हमला कर किया लहूलुहान

लखनऊ। निगोहां के बद्री खेड़ा गांव में घर के सामने छोटे बच्चे को शौच करने से मना करने पर एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की युवती पर लाठी-डंडे व चाकू से हमला कर लालहुलुहान कर दिया। पीड़ित युवती ने निगोहां थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की पुलिस ने मामला दर्ज कर घायल को उपचार के लिए सीएचसी भेजा बद्री खेड़ा गांव निवासी रामसनेही की बेटी शिवानी ने बताया कि उसके घर के सामने उनके पड़ोसी हीरा लाल व उनकी पत्नी रोशनी अपने बच्चे को शौंच करा रही थी जब उसने शौंक कराने से मना किया तो हीरालाल अपने परिवारीजन के साथ मिलकर लाठी डंडे व चाकू से उस पर हमला कर दिया जिसमें लहूलुहान होकर बेहोश हो गई। पीड़ित अपने परिवारीजनों के साथ निगोहां थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घायल को उपचार के लिए सीएचसी भेजा शराबी को गाली देने से मना किया तो पिता पुत्र पर लाठी डंडे और कुल्हाड़ी से हमला निगोहां के भद्दी सिर्ष गांव में एक शराबी को घर के सामने गालियां देने से मना करने पर पिता पुत्र को महंगा पड़ गया गांव के रहने वाले भुइयादीन ने बताया की शनिवार दोपहर गांव के रहने बाबूलाल उसके घर के सामने शराब पीकर गालियां दे रहा था जब गालियां देने का विरोध किया तो बाबूलाल अपनी पत्नी कंचन वा अन्य लोगों के साथ मिलकर लाठी और डंडों से उस पर हमला कर दिया बीच-बचाव कराने आए उसके बेटे लक्ष्मण पर भी हमला कर लालहुलुहान कर दिया सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सीएससी भेजा वह दी गई तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एसटीएफ ने झांसा देकर लाखों हड़पने वाला पूर्व जवान को किया गिरफ्तार

लखनऊ। एसटीएफ ने सेना में भर्ती कराने के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोह का राजफाश किया है। गिरोह भर्ती के नाम पर लोगों से रुपये वसूलता था। एसटीएफ में एएसपी सत्यसेन यादव के मुताबिक, १७ नवंबर को जोधपुर राजस्थान निवासी नारायण सिंह ने एसटीएफ मुख्यालय में शिकायत की थी। नारायण सिंह के मुताबिक गिरोह ने उनके बेटे धर्मेंद्र को सेना में भर्ती कराने के नाम पर एक लाख रुपये लिए थे।एसटीएफ ने छानबीन के दौरान गुरुवार को मनोज पांडेय चौराहे के पास से फिरोजाबाद निवासी सर्वेश कुमार और हरी सिंह को दबोच लिया। पूछताछ में सर्वेश ने बताया कि १६ नवंबर को वह हरी सिंह व हरेंद्र के साथ लखनऊ सेंटर आया था, जहां उसकी मुलाकात नारायण सिंह से हुई थी। नारायण ने बताया कि वह बेटे को सेंटर पर भर्ती के लिए लाया है। आरोपितों ने झांसे में लेकर भर्ती के

नाम पर नारायण से अपने परिचित हिमांशु के खाते में एक लाख रुपये स्थानांतरित करवा लिए। आरोपितों ने बताया कि हिमांशु भर्ती कराने का काम दो प्रतिशत कमीशन पर करता है। सर्वेश फिरोजाबाद का रहने वाला है और वर्ष २००५ में एएमसी सेंटर असम रायफल डोगरा रेजीमेंट सेंटर अयोध्या में भर्ती हुआ था। वर्ष २०११ में अवकाश पर घर आया और बीमार होने के बाद नौकरी पर नहीं गया। फौज ने केस किया तो उसने पहचान पत्र वापस करने से पहले उसकी डुप्लीकेट कापी अपने पास रख ली। उसी पहचान पत्र का इस्तेमाल कर वह लोगों को झांसे में लेता था। आरोपित ने नारायण ङ्क्षसह के अलावा स्वरूप कुमार सावंत से २५ हजार, सरकार से ५० हजार व आनंद से ६० हजार रुपये लिए थे। हरी ने बताया कि वह सर्वेश के कहने पर काम करता है। वहीं, हरेंद्र यादव ने बताया कि वह दिल्ली में ट्रक चलाता था और वर्तमान में सर्वेश की गाड़ी चला रहा था।

तीन शातिर चोर लाखों के इलेक्ट्रिक उपकरणों संग गिरफ्तार

लखनऊ। आलमबाग पुलिस ने शनिवार को मुखबिर की सूचना पर तीन शातिर चोरों को लाखों रुपए के कीमती इलेक्ट्रिक उपकरणों संग गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए शातिरों के खिलाफ पुलिस ने चोरी की धाराओं में कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया ,दो गत्ता वाशिंग मशीन का मैग्नाटोन, तीन मोबाइल फोन सहित चार सौ रुपए की नकदी बरामद किया गया है।ध् वहीं पकड़े गए शातिरों ने पुलिस पूछताछ में अपना परिचय फाजिल खान पुत्र जफर निवासी शाही मस्जिद एलडी कालोनी थाना आलमबाग लखनऊ

है। आलमबाग कोतवाली प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए शातिर चोरों को निशानदेही पर पुलिस ने लाखों रुपए के इलेक्ट्रिक उपकरणों दो गत्ता वाशिंग मशीन का गियरबाक्स, एक गत्ता वाशिंग मशीन का टाइमर, एक गत्ता वाशिंग मशीन का मैकेनीजम, चार गत्ता इण्डोर एसी , दिनेश कुमार पुत्र सुदर्शन रैदास निवासी बहादुर नगर थाना महाराजगंज जनपद रायबरेली हाल पता चन्दर नगर गुरुद्वारा के पास थाना आलमबाग लखनऊ,, शानवारिस उर्फ मोनू पुत्र मो शलीम निवासी साउथ सिटी तेलीबाग पीजीआई लखनऊ के रूप में दिया है। गिरफ्त में आए शातिरों के खिलाफ चोरी की धाराओं में कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया है।

रंगदारी मांगने वाले दो कथित पत्रकार चढ़े पुलिस के हत्थे

लखनऊ। पीजीआई पुलिस ने वादी की शिकायत पर वीडियो वायरल करने के नाम पर रंगदारी मांगने वाले कथित पत्रकारों को योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर बल प्रयोग करते हुए थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से हुए वरामदगी के आधार पर पुलिस ने धोखाधड़ी समेत तरीके से दोनों पत्रकारों को रुपये देने के लिए वादी द्वारा थाना क्षेत्र के चिरैयाताल पुल के लिए बुलाया गया जहां दोनों पत्रकार रुपये लेने के लिए आल्टोकार से आये। वहीं पहले से मौजूद पुलिसकर्मियों ने बल का प्रयोग करते हुए दोनों नामजद आरोपीयो को पकड़ लिया गया। पुलिस के पूछताछ में

रंगदारी व कई अन्य धाराओं में कार्यवाही करते हुए जेल भेज दिया है। पीजीआई कोतवाली प्रभारी धर्मपाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि वादी अजय कुमार यादव पुत्र कृष्ण कुमार यादव निवासी रघुनाथ खेड़ा थाना गोसाईगंज ने एक दिन पूर्व दो पत्रकारों पर वीडियो वायरल कर रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया था। वादी ने पुलिस को सूचना दी कि जिन पत्रकारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है वह पुनः वीडियो वायरल करने की धमकी दे रुपये की मांग कर रहे है। वादी से जानकारी होने पर टीम गठित कर योजनाबद्ध आरोपियों कथित पत्रकारों ने अपना परिचय सुनील कुमार पुत्र राध्ेश्याम निवासी भपट्टामउथाना पारा लखनऊ व कौशल किशोर पुत्र राजाराम निवासी सिरसहा थाना असोहा जनपद उन्नाव हालपता दरोगा खेड़ा थाना सरोजनीनगर लखनऊ के रूप में दिया है। आरोपियों के पास से पुलिस को एक अल्टो कार, दो मोबाइल फोन, दो प्रेस आई कार्ड,सात स्टिकर ,एक हैंड माइक व ग्यारह हजार रुपए नगद वरामद हुआ हैं। पुलिस ने गिरफ्त में आये दोनों पर ध्ोखाधड़ी, रंगदारी समेत अन्य कई धाराओं में दर्ज मुकदमे में कार्यवाही करते हुए जेल भेज दिया गया है।

उ०प्र० आवास विकास परिषद की भूमि पर खसरा नं० २६४ के प्लाट पर अवैध कब्जा

लखनऊ। जहां योगी राज में दबंग थरथर कांपते है वहीं एक राजजीपुरम के दबंग को योगी के हन्टर का जरा भी डर नहीं है। दबंग ने उ०प्र० आ वास विकास परिषद की भूमि पर खसरा नंद्र २६४ के प्लाट पर अवैध कब्जा कर रखा है जिससे आसपास के लोगों को काफी परेशानी हो रही है.मामला राजाजीपुरम एफ ब्लाक के कुँवर ज्योति प्रसाद १७१ पर स्थित मकान नं० ३४६६,३४६५ एवं ३४६७ के सामने उक्त खसरा का है। उक्त खसरा नं० पर आवास विकास परिषद द्वारा अधिगृहित करते हुए भूमि स्वामी को मुआवजा भी दिया जा चुका है। लेकिन उक्त खसरा नं० के प्लाट पर दबंग विनोद कुमार निगम द्वारा मकान बनवा लिया जोकि नगर निगम द्वारा लगभग ४ साल पहले इस मकान के काम को रूकवा दिया गया था। इसके बावजूद दबंग ने अपनी दबंगई दिखाते हुए नगर निगम के अधिकारी को धमकियाँ भी दी। और अपना कब्जा जमा रखा है जिससे क्षेत्र के लोगों में रोष है। वहीं स्थानीय लोग प्रशासन से न्याय की मांग कर रहे हैं जिसकी शिकायत मुख्यमंत्री तक को की गई है। मगर नतीजा सफिर रहा। क्षेत्र वासियों का कहना है कि उक्त खसरा नं० के प्लाट पर अवैध तरीके से बनाया गया दबंग का मकान गिराया जाये साथ ही दबंग विनोद निगम के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही भी की जाये। इस ज़मीन पर सभी के लिए एक पार्क बनाया जाये ताकि बच्चों को खेलने कूदने में मदद मिल सके और क्षेत्र की सुन्दरता में चार चॉद भी लगेंगे।

बॉलीवुड और साउथ एक्टर कमल हासन पाए गए कोरोना संक्रमित, अस्पताल में हैं आईसोलेट

मुम्बई। बॉलीवुड और साउथ इंडियन एक्टर और पलिटीशियन कमल हासन भी कोरोना वायरस से नहीं बच पाए हैं और उसकी चपेट में आने से पजिटिव पाए गए हैं। कमल हासन कोरोना से संक्रमित होने के बाद एक निजी अस्पताल में आईसोलेट हैं। एक्टर के कोरोना संक्रमित होने की जानकारी मिलते ही उनके फैंस में खलबली मच गई हैं और फैंस लगातार उनके जल्दी स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। खुद के कोरोना संक्रमित होने की जानकारी देते हुए कमल हासन ने ट्विटर के जरिए अपने फैन्स को बताया है कि, हाल ही में वह

अमेरिका से लौटे थे, जिसके बाद उन्हें मामूली सर्दी और खांसी हो रही थी। ऐसे में आशंकित होने पर उन्होंने कोविड टेस्ट कराया जिसमें वे कोरोना पॉजिटिव पाए गए। कमल हासन के ट्वीट पर उनके फैंस भी लगातार उनके जल्द से जल्द ठीक होने के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। आपको बता दें कमल हासन को मनोरंजन जगत में उनके असीम योगदान और उपलब्धियों के लिए पद्मश्री से भी नवाजा गया है। कमल हासन का इलाज चेन्नई के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। उन्होंने देश के सभी लोगों से अपना ख्याल रखने की अपील की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि, कोरोना महामारी अभी खत्म नहीं हुई है।

49 साल की उम्र में अपनी बोल्ड तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचा रही कृष्णा अभिषेक की पत्नी कश्मीरा

मुम्बई। अपनी कॉमेडी से फैंस को एंटरटेन करने वाले कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक आज किसी पहचान के मोहताज नहीं है। जहाँ एक तरफ कृष्णा अभिषेक अपनी कमेडी से दर्शकों को हसाते रहते हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी पत्नी कश्मीरा शाह अपने हॉट फिगर से लोगों के दिलों में आग लगा देती है। अभिनेत्री और मॉडल कश्मीरा शाह भले ही सिल्वर स्क्रीन पर ज्यादा नहीं दिखती पर उनकी गिनती इंडस्ट्री के सबसे सेक्सी और हॉट चेहरों में होती है। कश्मीरा शाह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है और अपनी बोल्ड तस्वीरें इंटरनेट पर शेयर करती रहती है। कश्मीरा शाह ४६ साल की है और इस उम्र में अपने बोल्ड फिगर्स से लाखों दिलों को मदहोश करने की क्षमता रखती हैं। हाल ही में कश्मीरा शाह ने पूल में समय बिताया जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर करी, जो काफी वायरल हो रही है। कश्मीरा शाह और कृष्णा अभिषेक के बीच १२ साल का

अंतर है। दोनों की पहली मुलाकात जयपुर में २००५ में फिल्म 'और पप्पू पास हो गया' की शूटिंग के दौरान हुई थंगी। उस समय कश्मीरा शाह प्रोड्यूसर ब्रैड लिस्टरमैन के साथ शादीशुदा थी। एक इंटरव्यू के दौरान कश्मीरा ने बताया था कि फिल्म की शूटिंग के बाद हम दोनों फ्री रहते थे। हम अलग–अलग होटल में ठहरे थे। एक दिन मैंने कृष्णा को अपने होटल में डिनर पर बुलाया था। हमने डिनर पर एक–दूसरे को करीब से जाना तो लगा कि हमारे बीच जरूर कोई अलग बात है। हमने पूरी रात बात की और सुबह के ७ बज गए थे, प्रोडक्शन से कॉल आने के बाद ही हमारी बातचीत बंद हुई। जयपुर से मुंबई लौटने के बाद दोनों मीडिया की नजर में आ गए और अफेयर के चर्चे शुरू हो गए थे। साल २००७ में अपने पहले पति ब्रैड लिस्टरमैन को तलाक देकर कश्मीरा शाह कृष्णा के साथ शिफ्ट हो गयी थी। इसके बाद साल २०१३ में दोनों ने शादी कर ली, मई २०१७ में सरोगेसी के जरिए कृष्णा और कश्मीरा जुड़वां बेटों के पेरेंट्स बने।

व्यापारी नेता को पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया थाने पर मचा हड़कंप

लखनऊ। आलमबाग पुलिस द्वारा शनिवार दोपहर एक व्यापारी नेता को पूछताछ के लिए बुलाया गया और बैठा लिया गया। जिसकी सूचना व्यापारियों में फैलते ही व्यापारियों में हड़कंप मच गया। जिसके बाद सैकड़ों की संख्या में आलमबाग व्यापारियों सहित व्यापार मण्डल के पदाधिकारी स्थानीय आलमबाग कोतवाली पहुंचे और पूछताछ के लिए थाने बुलाए गए व्यापारी को छोड़ने की जिद पर अड गए और थाने के मुख्यद्वार पर हंगामा करने लगे। जिसके बाद व्यापारियों की जिद के आगे नतमस्तक पुलिस ने व्यापारी नेता का मोबाइल फोन फोरेंसिक जांच के लिए जब्त करते हुए थाने बुलाए गए व्यापारी को उसके पुलिस ने परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। आलमबाग नटखेडा रोड व्यापार मण्डल अध यक्ष कास्मेटिक व्यापारी रतपाल सिंह गोल्डी को आलमबाग पुलिस ने संदिग्ध मानते हुए शनिवार को पूछताछ के लिए थाने पर बुलाकर बैठा लिया था। जिसकी जानकारी व्यापारियों में फैलते ही आग की तरह फैल गई। जिसके बाद सैकड़ों व्यापारियों समेत व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों ने थाने का घेराव कर लिया और व्यापारी नेता को थाने पर बैठाए जाने को लेकर हंगामा करते हुए पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। जिसकी जानकारी पुलिस के उच्चाधिकारियों को होते ही शाम लगभग ६:०० बजे आलमबाग कोतवाली पहुंचे डीसीपी पश्चिम सोमेन वर्मा ने पूछताछ के बाद व्यापारी नेता को छोड़ देने का आश्वासन देकर व्यापारियों को शांत कराया और लगभग आधे घंटे की पूछताछ के बाद व्यापारी नेता के मोबाइल फोन को जब्त कर व्यापारी नेता को उसके भाई गुरदीप सिंह लाटी के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं डीसीपी पश्चिम ने जानकारी देते हुए बताया कि व्यापारी नेता किसी मामले में घटना की जानकारी होने का मामला प्रकाश में आया है जिसकी पूछताछ के लिए बुलाया गया था। बातचीत के उपरांत व्यापारी नेता का मोबाइल फोन फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा जिसमें कुछ डेटा रिकवरी किया जाएगा।

चोरी की मोटरसाइकिल संग शातिर अरेस्ट

लखनऊ। आलमबाग पुलिस ने शनिवार को मुखबिर की सूचना पर एक शातिर को चोरी की मोटरसाइकिल संग गिरफ्तार किया है। पकड़े गए शातिर के खिलाफ पुलिस ने चोरी की धाराओं में कार्रवाई कर आरोपी को जेल, भेज दिया है।आलमबाग कोतवाली प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार को मुखबिर की सूचना पर संजय शर्मा पुत्र राकेश शर्मा ६३ वृन्दावन बिहार कालोनी सत्यार्थी धाम कल्याणपुर थाना गुडम्बा जनपद लखनऊ , हाल पता किराए का मकान ६५६६२६६ नरगिस पत्नी स्व मो वकील निवासी सीमान्त नगर थाना कल्याणपुर थाना गुड्म्बार जनपद लखनऊ को चोरी की मोटरसाइकिल नम्बर यूपी ३२ ई यूं ६५०० संग गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए शातिर के खिलाफ चोरी की धाराओं में कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक